



## संथाल वदिरोह की 169वीं वर्षगाँठ

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में संथाल वदिरोह की 169वीं वर्षगाँठ मनाई गई। प्रधानमंत्री ने संथाल जनजात समुदाय के बलिदान और वीरता को नमन किया।

### मुख्य बदि:

- **ब्रिटिश राज** के खिलाफ वदिरोह की सबसे प्रसिद्ध घटनाओं में से एक संथाल वदिरोह वर्ष 1855 और 1857 में हुआ था
- यह भारत का पहला बड़ा **किसान वदिरोह** था, जो वर्ष 1793 में **स्थायी बंदोबस्त** के कार्यान्वयन से प्रेरित था
- इसका नेतृत्व चार भाइयों सिद्धो, कान्हो, चाँद और भैरव मुरमू ने बहनों फूलो एवं झानो के साथ मलिकर किया था तथा यह **बिहार के क्षेत्रों में फैला** था।

### संथाल जनजाति

- संथाल भारत में **गोंड** और **भील** के बाद तीसरा सबसे बड़ा अनुसूचित जनजात समुदाय है।
- उनकी सबसे बड़ी संख्या देश के पूर्वी भाग में **बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और उड़ीसा** राज्यों में है।
- **भाषा:**
  - उनकी **भाषा संथाली** है, जो मुंडा (ऑस्ट्रोएशियाटिक) भाषा खेरवारी की एक बोली है।
  - **ओल चिकी लिपि (Ol Chiki Script)** में लिखी जाने वाली संथाली को **संविधान की आठवीं अनुसूची** में अनुसूचित भाषाओं में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- **धर्म:**
  - वे **प्रकृत पूजक** हैं और उन्हें अपने गाँवों में जाहेर (पवतिर उपवन) में श्रद्धा अर्पित करते देखा जा सकता है।
- **व्यवसाय:**
  - अधिकांश संथाल **कृषक** हैं, जो अपने खेतों या वनों पर निर्भर हैं।
  - **मौसमी वन संग्रह** उनकी सहायक आय के महत्वपूर्ण स्रोतों में से एक है।